# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 20.3.26 | 2 | 1-2 |

## हकृवि में भारतीय नववर्ष के शुभारंभ पर महायज्ञ एवं सत्संग आयोजित

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज हवन में आहुति देते हुए

जासं ● हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर महायज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि आरएसएस के विभाग संघचालक पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशका संतोष कुमारी भी मौजूद रही। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि भारतीय नववर्ष परंपरागत रूप से नई शुरुआत, प्रकृति के नवजीवन और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भगवान श्री गणेश के आशीर्वाद से प्रारंभ हुआ यह महायज्ञ एवं सत्संग हमें सकारात्मक ऊर्जा शांति और नई प्रेरणा प्रदान करता है। महायज्ञ में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर आहुति अर्पित की। कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन-यज्ञ के साथ हुआ। इस अवसर छात्र कल्याण निदेशक डा. एसके पाहुजा, सह छात्र कल्याण निदेशक डा. सुबोध अग्रवाल व सह प्राध्यापक डा. संध्या शर्मा उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| समय उजाला | 20.3.26 | 4 | 1-3 |

# हिंदू नववर्ष सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक : कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय (स्वदेशी) नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर महायज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि हिंदू नववर्ष परंपरागत रूप से नई शुरुआत, प्रकृति के नवजीवन और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इसके पीछे धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक आधार हैं। हिंदू मान्यता के अनुसार इसी दिन ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी इसलिए इसे नए युग की शुरुआत माना जाता है।

छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज मुख्य अतिथि रहे जबकि आरएसएस के विभाग संघचालक पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशक संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं।

हवन में आहुति देते एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज व अन्य। स्रोत : संस्थान

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि यह दिन सम्राट विक्रमादित्य की ओर से स्थापित विक्रम संवत का पहला दिन है जो भारतीय परंपरा का प्रमुख पंचांग है। इस समय वसंत ऋतु होती है। पेड़ों पर नए पत्ते आते हैं, फसलें पकने लगती हैं और मौसम सुहावना हो जाता है। इसलिए इसे प्राकृतिक नववर्ष भी माना जाता है। इसी दिन से कई महत्वपूर्ण पर्वों की शुरुआत होती है जिनमें नवरात्र का आरंभ प्रमुख है। इस मौके पर पवन जिंदल, डॉ. एसके पाहुजा सहित अन्य मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 20.3.26 | 4 | 7-8 |

## हकृवि में भारतीय नववर्ष के शुभारंभ पर महायज्ञ एवं सत्संग आयोजित

*कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज हवन में आहुति देते हुए।*

हिसार, 19 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय (स्वदेशी) नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर महायज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि आर.एस.एस. के विभाग संघचालक पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशका संतोष कुमारी भी मौजूद रही। कुलपति प्रो. काम्बोज ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय नववर्ष परंपरागत रूप से नई शुरुआत, प्रकृति के नवजीवन और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक कारण हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार, ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना की थी। इसलिए इसे नए युग की शुरुआत माना जाता है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 20.3.26 | 7 | 1-5 |

# हकृवि में भारतीय नववर्ष 2026 के शुभारंभ पर महायज्ञ एवं सत्संग आयोजित

हिसार, 19 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय (स्वदेशी) नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर महायज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि आरएसएस के विभाग संघचालक पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशका संतोष कुमारी भी मौजूद रही। कुलपति प्रो. काम्बोज ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय नववर्ष परंपरागत रूप से नई शुरुआत, प्रकृति के नवजीवन और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक कारण हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार, ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना की थी। इसलिए इसे नए युग की शुरुआत माना जाता है। यह दिन सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रम संवत का पहला दिन है। यह भारतीय परंपरा का प्रमुख पंचांग है। इस समय वसंत ऋतु होती है। पेड़ों पर नए पत्ते आते हैं, फसलें पकने लगती हैं, मौसम सुहावना होता है। इसलिए यह प्राकृतिक नववर्ष भी माना जाता है। इस दिन से कई महत्वपूर्ण त्योहारों की शुरुआत होती है, जैसे नवरात्रि का आरंभ। नया साल नई ऊर्जा, नए संकल्प और शुभ कार्यों की शुरुआत का प्रतीक है। लोग इस दिन पूजा-पाठ, दान और सत्संग करते हैं। यह पावन अवसर हम सबको अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। भगवान श्री गणेश जी के आशीर्वाद से प्रारंभ हुआ यह महायज्ञ एवं सत्संग हमें सकारात्मक ऊर्जा शांति और नई प्रेरणा प्रदान करता है। भारतीय नववर्ष केवल एक तिथि नहीं बल्कि यह हमारे जीवन में नवीनता, आशा और संकल्प एवं संस्कार का प्रतीक है। यह हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने, समाज तथा राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदान करना नहीं बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, संस्कार और राष्ट्र प्रेम की भावना को भी सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि हम सब नववर्ष पर मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन में सत्य, सेवा और सदाचार को अपनाएंगे तथा समाज और राष्ट्र की उन्नति में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। कार्यक्रम के अंत में कुलपति ने विद्यार्थियों को कलम एवं पुस्तिका प्रेरणा स्वरूप दी ताकि विद्यार्थी पूरे वर्ष लग्न से अपनी पढ़ाई को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकें। पवन जिंदल ने नववर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमारी प्राचीन संस्कृति, प्रकृति के साथ सामंजस्य एवं नवचेतना का प्रतीक है। उन्होंने सभी को अपने जीवन में सदाचार, सेवा, और संस्कारों को अपनाने का संदेश दिया। महायज्ञ में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर आहुति अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन-यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें विद्वान आचार्यों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर देश एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की गई। इस अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ सुबोध अग्रवाल व सह प्राध्यापक डॉ. संध्या शर्मा उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज हवन में आहुति देते हुए।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भूमि | 20.3.26 | 11 | 2-4 |

# भारतीय नववर्ष का विशेष महत्व

■ हकृवि में भारतीय नववर्ष 2026 के शुभारंभ पर महायज्ञ एवं सत्संग आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। हवन में आहुति देते कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज एवं अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर महायज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि आरएसएस के विभाग संघ चालक पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी भी मौजूद रही। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय नववर्ष परंपरागत रूप से नई शुरुआत, प्रकृति के नवजीवन और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक कारण हैं। आरएसएस के विभाग संघ चालक पवन जिंदल ने नववर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमारी प्राचीन संस्कृति, प्रकृति के साथ सामंजस्य एवं नवचेतना का प्रतीक है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दक्ष दर्पण न्यूज | 19.03.2026 | -- | -- |

# हकृवि में भारतीय नववर्ष 2026 के शुभारंभ पर महायज्ञ एवं सत्संग आयोजित

दक्ष दर्पण

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय (स्वदेशी) नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर महायज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि आरएसएस के विभाग संघचालक पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशका श्रीमती संतोष कुमारी भी मौजूद रही। कुलपति प्रो. काम्बोज ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय नववर्ष परंपरागत रूप से नई शुरुआत, प्रकृति के नवजीवन और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक कारण हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार, ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना की थी। इसलिए इसे नए युग की शुरुआत माना जाता है। यह दिन सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रम संवत का पहला दिन है। यह भारतीय परंपरा का प्रमुख पंचांग है। इस समय वसंत ऋतु होती है। पेड़ों पर नए पत्ते आते हैं, फसलें पकने लगती हैं, मौसम सुहावना होता है। इसलिए यह प्राकृतिक नववर्ष भी माना जाता है। इस दिन से कई महत्वपूर्ण त्योहारों की शुरुआत होती है, जैसे—नवरात्रि का आरंभ। नया साल नई ऊर्जा, नए संकल्प और शुभ कार्यों की शुरुआत का प्रतीक है। लोग इस दिन पूजा-पाठ, दान और सत्संग करते हैं। यह पावन अवसर हम सबको अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। भगवान श्री गणेश जी के आशीर्वाद से प्रारंभ हुआ यह महायज्ञ एवं सत्संग हमें सकारात्मक ऊर्जा शांति और नई प्रेरणा प्रदान करता है। भारतीय नववर्ष केवल एक तिथि नहीं बल्कि यह हमारे जीवन में नवीनता, आशा और संकल्प एवं संस्कार का प्रतीक है। यह हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने, समाज तथा राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदान करना नहीं बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, संस्कार और राष्ट्र प्रेम की भावना को भी सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि हम सब नववर्ष पर मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन में सत्य, सेवा और सदाचार को अपनाएंगे तथा समाज और राष्ट्र की उन्नति में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। कार्यक्रम के अंत में कुलपति ने विद्यार्थियों को कलम एवं पुस्तिका प्रेरणा स्वरूप दी ताकि विद्यार्थी पूरे वर्ष लग्न से अपनी पढ़ाई को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकें। पवन जिंदल ने नववर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमारी प्राचीन संस्कृति, प्रकृति के साथ सामंजस्य एवं नवचेतना का प्रतीक है। उन्होंने सभी को अपने जीवन में सदाचार, सेवा, और संस्कारों को अपनाने का संदेश दिया। महायज्ञ में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर आहुति अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन-यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें विद्वान आचार्यों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर देश एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की गई। इस अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ सुबोध अग्रवाल व सह प्राध्यापक डॉ. संध्या शर्मा उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स न्यूज | 19.03.2026 | -- | -- |

# ह्कृवि में भारतीय नववर्ष 2026 के शुभारंभ पर महायज्ञ एवं सत्संग आयोजित

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय (स्वदेशी) नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर महायज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि आरएसएस के विभाग संघचालक पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशका श्रीमती संतोष कुमारी भी मौजूद रही। कुलपति प्रो. काम्बोज ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय नववर्ष परंपरागत रूप से नई शुरुआत, प्रकृति के नवजीवन और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक कारण हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार, ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना की थी। इसलिए इसे नए युग की शुरुआत माना जाता है। यह दिन सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रम संवत का पहला दिन है। यह भारतीय परंपरा का प्रमुख पंचांग है। इस समय वसंत ऋतु होती है। पेड़ों पर नए पत्ते आते हैं, फसलें पकने लगती हैं, मौसम सुहावना होता है। इसलिए यह प्राकृतिक नववर्ष भी माना जाता है। इस दिन से कई महत्वपूर्ण त्योहारों की शुरुआत होती है, जैसे–नवरात्रि का आरंभ। नया साल नई ऊर्जा, नए संकल्प और शुभ कार्यों की शुरुआत का प्रतीक है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 19.3.26 | 5 | 1-2 |

## एचएयू: 5 दिन में सीखे पेटेंट व कॉपीराइट के गुर

हिसार| एचएयू अब केवल खेती की नई तकनीकें ही नहीं विकसित कर रहा, बल्कि उन्हें कानूनी रूप से सुरक्षित करने में भी देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय में शोधार्थियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय बौद्धिक संपदा अधिकार प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ। इस ट्रेनिंग का मुख्य मकसद युवा वैज्ञानिकों को यह समझाना था कि उनकी मेहनत और नए आइडिया को कोई दूसरा चोरी न कर सके। यह ट्रेनिंग इसलिए जरूरी है ... मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईजीआर की जानकारी होना अनिवार्य है। ट्रेनिंग का संयोजन डॉ. सतीश कुमार मेहता और डॉ. जितेंद्र कुमार भाटिया द्वारा किया गया। एचएयू को साल 2025 में 13 पेटेंट मिले, जबकि 2026 के शुरुआती 2 महीनों में ही 12 नए आवेदन भेजे जा चुके हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पाठकपक्ष | 19.03.2026 | -- | -- |

# हकृवि ने विकसित की सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101

## हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बढ़ाएगी पैदावार

-पाठकपक्ष न्यूज-

**हिसार, 19 मार्च :** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 विकसित कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह हाइब्रिड किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए उपयोगी सिद्ध होगी और देश में तेल के आयात को कम करने में अहम भूमिका निभाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने विकसित की गई इस उन्नत किस्म के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि हकृवि के सरसों वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस हाइब्रिड किस्म को हाल ही में गजट अधिसूचित किया गया है। यह हाइब्रिड किस्म हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में सरसों की पैदावार को बढ़ाने में एक वरदान सिद्ध होगी। इस किस्म को अखिल भारतीय समन्वित सरसों एवं राई अनुसंधान प्रोजेक्ट के तहत तीन साल गहन परीक्षण के बाद जारी किया गया है। यह किस्म 28 से 30 किवंटल प्रति हेक्टेयर तक औसत पैदावार देती है। पुरानी किस्म आरएच 749 की तुलना में 14.5 प्रतिशत, डीएमएच-1 से 11 प्रतिशत व प्राइवेट कंपनी हाइब्रिड 45546 की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक पैदावार देने में सक्षम है। कुलपति ने बताया कि अधिक उपज क्षमता और उच्च तेल मात्रा के कारण यह हाइब्रिड किस्म किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय होगी इससे न केवल तिलहन उत्पादन और बाजार में वृद्धि होगी बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

### पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

*अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने आरएचएच 2101 की विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि यह किस्म 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है और 28 से 30 किवंटल प्रति हेक्टेयर तक औसत उपज देती है। इस किस्म में शाखाओं की संख्या अधिक होती है तथा प्रति फलियों में दानों की संख्या भी ज्यादा होती है। जिसके कारण इसकी उपज क्षमता अन्य उन्नत किस्मों की तुलना में अधिक है। इसके दाने मध्यम आकार के होते हैं। और इनमें लगभग 40 प्रतिशत तेल अंश पाया जाता है।*

### तिलहन अनुभाग देश के अग्रणी अनुसंधान केंद्रो में शामिल

*विश्वविद्यालय के सरसों वैज्ञानिक अब तक सरसों और राई की 25 उन्नत किस्में तथा एक हाइब्रिड किस्म विकसित कर किसानों तक पहुंचा चुके हैं जिनमें से अधिकांश किस्म की खेती अन्य राज्यों के किसानों द्वारा भी की जा रही है। हाइब्रिड किस्म के प्रजनक डॉ. राम अवतार ने बताया कि इस सरसों टीम ने गत 6 सालों में इस किस्म के अलावा अलग-अलग परिस्थितियों के लिए पांच किस्में विकसित की है जिनमें से आरएच 725 आरएच 1424 व आरएच 1975 किसानों के बीच बहुत ही लोकप्रिय किस्में है तथा उनके बीज की अन्य राज्यों में बहुत ज्यादा मांग है।*

कुलपति ने वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए बताया कि इस सरसों टीम को पिछले 12 सालों में चार बार उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा जा चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भविष्य में भी नई और उन्नत किस्में विकसित कर देश के तिलहन उत्पादन और कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे।

### हाइब्रिड किस्म को विकसित करने में इन वैज्ञानिकों का रहा योगदान

इस नई किस्म को विकसित करने में सरसों वैज्ञानिक डॉ राम अवतार, डॉ नीरज कुमार, डॉ मंजीत सिंह, डॉ. अशोक कुमार और डॉ सुभाष चंद्र का अहम योगदान रहा। इस अनुसंधान कार्य में डॉ राकेश पूनिया, डॉ दिलीप कुमार, डॉ निशा कुमारी, डॉ विनोद गोयल, डॉ श्वेता, डॉ महावीर बिश्नोई और डॉ राजवीर सिंह का भी सहयोग रहा।